प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है मर रहा है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो, योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए सांस लेते हो।
स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट /दैनिक यशोन्नति / 2 /
2016-17

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉग इन करें
https://dainikyashonnati.com
एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक 26 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी गुरूवार 21 सितंबर 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार .....
पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार
पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

2023 विधानसभा चुनाव में केवलारी विधानसभा किस के पक्ष में

सिवनी यशोः- मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव का समय बहुत नजदीक आ चुका है और राजनैतिक हलचल भी बढ़ गयी है । सितंबर माह का बीत रहा है अे टूबर माह के प्रथम या द्वितीय सप्ताह में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता । चुनावी बिगुल राजनैतिक दलों द्वारा फूंक दिया गया है मैदानी स्तर पर राजनैतिक दलों की तैयारी पूरी तरह हो चुकी है । चुनाव लड़ने के इच्छुक व्यक्तियों द्वारा अपने अपने बायोडाटा पार्टी के उचित मंचों पर भेज दिये गये है । राजनैतिक दलों ने अपने स्तर पर जिताऊ उ मीदवारों का सर्वे का करा लिया है अपनी संभावनाओं का आंकलन ऊपरी तौर पर करा लिया है । अब उ मीदवारों को अधिकृत सूची जारी करने को अंतिम रूप दिया जा रहा है भारतीय जनता पार्टी ने उ मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है दूसरी सूची संभवतः सितंबर माह के अंतिम सप्ताह में जारी हो जायेगी जबकि कांग्रेस द्वारा अभी तक कोई सूची नहीं की गयी है और पिछले अनुभवों के आधार पर कहा जा सकता है कि कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद ही जारी होगी ।

विधानसभा चुनाव की तिथियाँ नजदीक आने से चुनावी पारा जिले में बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है । चुनावी समर में अपने जौहर का प्रदर्शन करने वाले संभावित उ मीदवारों की विधानसभा क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ गयी है अपने कार्यकर्त्ताओं एवं आमजनों से उनका संपर्क अभियान तेज हो गया है हालांकि अभी संभावित दावेदारों का जो संपर्क हो रहा है वह अपनी ही पार्टी के अन्य संभावित दावेदार को कमजोर बताने का और पार्टी से उन्हें उ मीदवार बनाये जाने की संभावनाओं को बताया जा रहा है । जब तक अधिकृत उ मीदवारों की घोषणा नहीं हो जाती तब विधानसभा के संभावित उ मीदवारों की भागदौड़ समर्थकों के साथ क्षेत्र और नेताओं के पास चलते रहेगी ।

जिले में चार विधानसभाएँ है जिसमें दो सत्ताधारी भाजपा के पास है और दों विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस के पास है । पिछले अंको में बरघाट एवं सिवनी विधानसभा क्षेत्रों का विश्लेषण दैनिक यशोन्नति द्वारा प्रकाशित कर दिया गया है आज के अंक में जिले की महत्वपूर्ण विधानसभा केवलारी के बारे में तथ्यात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया जा रहा है हालांकि चुनाव के अंतिम समय तक परिस्थितियाँ बदलने के प्रभावी कारण होते है और सारे विश्लेषण धाराशाही हो जाते है आज जो स्थिती है उसी पर चर्चा की जा रही है संभावनाएँ अनंत होती है स्थितियाँ बदल भी सकती है परंतु मोटा मोटी जो बाते है वह पाठकों के लिये प्रस्तुत है ।

राकेश पाल ने कांग्रेस के अभेद गढ़ को भेद

केवलारी विधानसभा क्षेत्र में अधिकांश समय कांग्रेस का कब्जा रहा है परंतु वर्तमान में केवलारी विधानसभा में भाजपा का कब्जा है कांग्रेस के अजेय गढ़ में 2018 के चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी राकेश पाल सिंह ने सेंधमारी करने में सफलता प्राप्त की थी और कांग्रेस की सारी रणनीति और रणनीतिकारों को धूल चटा दी थी । जानकारी के अनुसार 2018 के चुनाव में भाजपा के संगठन में भी कोई बहुत कसावट नहीं थी और यहाँ कांग्रेस की ही तूती बोलती थी परंतु राकेश पाल सिंह ने भाजपा से उ मीदवारी मिलते ही पूरे क्षेत्र के कार्यकर्त्ताओं में बदलाव का वह जुनूर भर दिया दिया कि कांग्रेस सारे प्रयासों के बाद भी बुरी तरह हार गयी । 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी रहे ठाकुर रजनीश सिंह भाजपा के प्रत्याशी राकेश पाल सिंह एक प्रतिशत वोट से हारे थे । जबकि उस समय राकेश पाल सिंह चुनावी रणनीति में पहली बार आये थे और उनका वह पहला अनुभव था और राजनीति क्षेत्र के धुरंधर ठाकुर रजनीश सिंह की राजनैतिक बिसात की हर चाल को उनके चाचा श्री संभाल रहे थे राकेश पाल सिंह के साथ भाजपा के कार्यकर्त्ताओं का विश्वास था और वे उस विश्वास के वैतारणी से चुनावी समर को सफतला के साथ अपने पक्ष में करने सफल रहे । इस विधानसभा से ठाकुर रजनीश सिंह के पिता और मध्यप्रदेश की राजनीति के केन्द्र में रहने वाले स्व. ठाकुर हरवंश सिंह तीन बार विधायक निर्वाचित होकर विधानसभा में पहुँचे और प्रमुख मंत्रालयों के मंत्री रहे और कांग्रेस की सरकार न बनने पर विधानसभा उपाध्यक्ष रहे वही स्व. हरवंश सिंह की मृत्यु के बाद केवलारी विधानसभा से ठाकुर रजनीश से 2013 विधायक निर्वाचित हुये परंतु कांग्रेस की सरकार फिर प्रदेश में नहीं बनी और वे विधानसभा क्षेत्र में और प्रदेश की राजनीति में वह धमक नहीं बना पाये जो स्व. हरवंश सिंह की थी । 2018 के चुनाव में भाजपा के राकेश पाल सिंह ने उन्हें 6679 वोटों से हरा दिया ।

अनेक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है

केवलारी विधानसभा क्षेत्र अनेक विविधताओं वाला विधानसभा क्षेत्र है इस विधानसभा को आसानी से समझ पाना संभव नहीं है । यह विधानसभा क्षेत्र अलग अलग हिस्सों में अलग अलग संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है तो इसकीअलग अलग प्राथमिकताएँ भी । यह कृषि आधारित क्षेत्र है परंतु सभी क्षेत्रों में कृषि की समस्याएँ भिन्न है एक रूपता नहीं है । विधानसभा क्षेत्र का कान्हीवाड़ा-भोमा वाला भाग गेंहू उत्पादक के साथ धान का उत्पादन भी समान रूप से करता है । यह भाग व्यापारिक भी है इस क्षेत्र में सामाजिक समीकरण अन्य क्षेत्रों से भिन्न है तो पलारी वाला भाग जो जिले का पंजाब माना जाता है यहाँ गेंहू का बड़ी मात्रा में उत्पादन होता है इस क्षेत्र में सिंचाई के लिये पानी की प्राथमिकता ही किसानों के लिये प्रमुख समस्या रहती है । यह क्षेत्र धनवानों का क्षेत्र है यहाँ किसी भी प्रकार का दबाव नहीं बनाया जा सकता । यह क्षेत्र किरार ठाकुर का बाहुल्य वाला है जो आपसी रिश्तेदारी से एक दूसरे से जुड़ा हुआ है । केवलारी का क्षेत्र भी इसी प्रकार है परंतु यहाँ किसानों को सिंचाई के पानी की समस्या बनी रहती है शिक्षा और रोजगार की समस्या इस क्षेत्र के लिये विशेष रूपी से रहती है यह क्षेत्र भी लोधी और बघेल समाज की बाहुल्यता वाला है । उगली वाला क्षेत्र धान उत्पादक क्षेत्र है यहाँ जाति समीकरण के हिसाब से पवार एवं मरार समाज की बाहुल्यता वाला क्षेत्र है यहाँ की अपनी प्राथमिकताएँ है । धनौरा आदिवासी बाहुल्य वाला क्षेत्र है मोटे अनाज की खेती यहाँ बड़ी मात्रा में होती है । इसी प्रकार छपारा वाला क्षेत्र आदिवासी एवं ठाकुर समाज की बाहुल्यता वाला क्षेत्र है यहाँ की अपनी प्राथमिकता है । हर क्षेत्र में भाजपा और कांग्रेस के वजनदार नेता है परंतु सर्वव्यापकता वाले नेताओं का दोनो ही दलों में आभाव है ।

यह विधानसभा चुनाव किस पार्टी के पक्ष में जायेगा इसका अनुमान लगाना बहुत कठिन है परंतु यह बात स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है कि भाजपा में भले ही अभी दावेदारी करने वालों के कारण आसंतोष जैसी स्थिती दिखाई दे रही हो अधिकृत प्रत्याशी घोषित होते ही सारा विरोधाभास समाप्त हो जायेगा और भाजपा ने अपने संगठन की भी इस बार मजबूत कसावट की जबकि कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा बहुत मजबूत नहीं है और न ही कांग्रेस ने इस क्षेत्र में कोई विशेष ध्यान दिया । इस क्षेत्र में प्रत्याशी संबंधी और अन्य निर्णयक पहलू है जिसके संबंध में आगामी अंक में प्रकाशन किया जायेगा ।

महाकुंभ के लिये भाजपा उत्तर मंडल के शक्तिकेन्द्रो में बैठक संपन्न

सिवनी यशोः- भारतीय जनता पार्टी का भोपाल में 25 सित बर पं. दीनदयान उपाध्याय जयंती पर हो रहे विश्व के सबसे बड़े कार्यकर्ता स मेलन ''कार्यकर्ता महाकुंभ'' जिसमें देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करने के साथ ही आसन्न विधानसभा चुनाव में विजय श्री का संकल्प दिलाने म.प्र. आ रहें है। जिसकी तैयारियों को लेकर जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा ज़िलाध्यक्ष भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक दुबे के निर्देशानुसार सिवनी विधानसभा के उत्तर मंडल के गुरूद्वारा शक्ति केन्द्र एवं शुक्रवारी शक्तिकेन्द्र बैठक विधानसभा विस्तारक दीपक कामले की उपस्थिति में नगर भाजपा की बैठक स पन्न हुई । इस बैठक कार्यकर्त्ता किस साधन से भोपाल के लिये रवाना होंगे आदि विषयों पर चर्चा की गयी । बैठक भाजपा उत्तर मंडल के महामंत्री अनूप मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे ।

अनेक युवाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली

सिवनी यशोः- सिवनी विधानसभा अन्तर्गत कलारबांकी ग्राम सरगापुर के अनेक लोगो ने सिवनी विधायक की वादाखिलाफी के कारण एवं कांग्रेस की रीति नीति से प्रभावित होकर जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना द्वारा कांग्रेस का गमछा डालकर पुष्प माला से स्वागत किया, सदस्यता ग्रहण करने वालो में प्रेमलाल उइके पूर्व सरपंच भाटीवाडा, ग्राम सरगापुर से सर्वश्री मेमफल बरकडे, गंगाराम उइके, देवेन्द्र उइके उपसरपंच, शिवराम मर्सकोले, गणेश प्रसाद उइके, रविशंकर उइके, बालकराम बरकड़े, रामकेर भलावी, ध्नेशश्री कुर्वेती, सालकराम बरकडे, झामसिंग उइके, राजेन्द्र उइके, विजयसिंह बरकड़े, राजनेश सरयाम, सीताराम उइके, शिवपाल बरकडे, रविन्द्र सरयाम ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली।

कलारबांकी मंडलम में इसके पूर्व में भी अनेक लोगो ने कांग्रेस की सदस्यता ली आने वालें समय में और भी लोग कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करेंगे, सदस्यता ग्रहण कराने में ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरि जायसवाल, ब्लाक संगठन मंत्री राजमोहन सिंह बघेल, पंचायतीराज प्रकोष्ठ के ब्लाक अध्यक्ष खलील खार, मंडमल अध्यक्ष विवेकराय, से टर अध्यक्ष झनकलाल धुर्वे, रामनाथ काकोडिया एवं आशाराम मर्सकोले का सहयोग सराहनीय रहा।

जिला कौशल समिति बैठक स पन्न

युवाओं के कौशल उन्नयन के साथ ही स्वरोजगार योजनाओं से लाभांवित करने के लिए गए निर्णय

सिवनी यशोः- कले टर क्षितिज सिंघल की अध्यक्षता में बुधवार 20 सित बर को जिला कौशल समिति बैठक का आयोजन कले ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। बैठक में महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सिवनी, सहायक संचालक उद्यानिकी विभाग, प्राचार्य आईटीआई, जिला रोजगार अधिकारी, अग्रणी बैंक प्रबंधक सिवनी सहित अन्य स्वरोजगार मूलक विभागाधिकारियों की उपस्थिति रही।

बैठक में कले टर श्री सिंघल ने युवाओं के कौशल उन्नयन के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित की जा रही योजनाओं के बारे में चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सेडमेप नियमित रूप से रोजगारमुखी प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए। इसी तरह प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगारमुखी योजनाओं से लाभांवित करने के निर्देश दिए।

कले टर ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

सिवनी यशोः- कले टर क्षितिज सिंघल ने बुधवार 20 सितंबर को केवलारी विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने मतदान केंद्रों में पेयजल,बिजली, रैंप जैसी जरूरी व्यवस्थाओं उपलब्धता की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश स बन्धित अधिकारियों को दिए। कले टर श्री सिंघल ने विशेष पुनरीक्षण कार्य का अवलोकन करने के साथ ही साथ इस दौरान मतदाता सूची में शामिल किए गए नवमतदाताओं के घर पहुँचकर भौतिक रूप से स्वयं सत्यापन किया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी संदीप श्रीवास्तव सहित अन्य स बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नवभारत साक्षरता मूल्याकन परीक्षा 24

सिवनी यशोः- जिला परियोजना समन्वयक सिवनी ने बताया कि साक्षरता दर बढ़ाने हेतु भारत सरकार के निर्देशानुसार संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत रविवार 24 सित बर 2023 को प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक नवसाक्षरों की मूलभूत साक्षरता एवं स यात्मकता मूल्याकन परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा केन्द्र शासकीय विद्यालय / पंचायत भवन / सामाजिक चेतना केन्द्र में आयोजित होगी। उक्त परीक्षा में जिले के 13308 नवसाक्षर (परीक्षार्थी) परीक्षा में स मिलित होगें।

सिवनी यशोः-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन रविवार को लखनवाड़ा मंडल में मातृधाम में कातलबोड़ी में बालाघाट सांसद डॉ. ढालसिंह बिसेन की उपस्थिती में धूमधाम से मनाया गया । इसके साथ ही जिलेभर में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सेवा और धार्मिक कार्यों के साथ मनाया। इस अवसर पर भाजयुमो ने विधानसभावार अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

प्रधानमंत्री का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

भाजपा कार्यालय में पीएम विश्वकर्मा योजना लॉन्च की गई,इसका उल्लेख सांसद बिसेन ने किया । सांसद डा. ढालसिंह बिसेन कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश के विकास और देश के स मान के लिये हर स्तर पर कार्य किया है । देश में अधोसंरचना वाले कार्य तो किये ही है परंतु आम आदमी के जीवन बदलने वाले बेहतर कार्य किये है रोजगार के अवसर बढाये है देश के क्रांतिकारी बदलाव आया है । डाँ बिसेन ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश के अनेक बड़े निर्णय ऐसे किये है जिसे इतिहास हमेशा स मान के साथ याद करेगा । इस अवसर पर पूर्व विधायक नरेश दिवाकर, भाजपा जिला मंत्री संजीव मिश्रा लखनवाड़ा मंडल के अध्यक्ष अनिल बघेल सांसद प्रतिनिधि बिठ्ठल सनोडिया उपस्थित रहे ।

जबरन नॉलेज

बढ़े डेंगू और मलेरिया के मरीज 36 पर पहुंचा डेंगू पीड़ितों का आंकड़ा

दो साल पहले 116 और पिछ्ले साल मिले थे 31 मरीज

सिवनी यशोः- सिवनी जिले में डेंगू का डंक पैर पसार रहा है। जिसके कारण अब तक डेंगू के 36 मामले सामने आ चुके है। वहीं मच्छर जनित मलेरिया के मरीज भी तेजी से बढ़ रहे हैं। मलेरिया विभाग के अधिकारियों के मुताबिद मलेरिया के एक सौ से ज्यादा मरीज मिल चुके है।

विभाग की ओर से डेंगू मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में दवा का छिड़काव के साथ लार्वा विनष्टीकरण का कार्य किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार सिवनी में वर्ष 2021 में डेंगू बीमारी के 116 मरीज मिले थे। इस वर्ष भी डेंगू के फैलने का खतरा बढ़ गया है।

पिछले कुछ दिनों से डेंगू के मरीज ज्यादा मिल रहे हैं।पिछले साल डेंगू के कुल 31 मामले सामने आए थे। जबकि इस साल अब तक 36 मामले सामने आ चुके हैं। जिसके कारण स्वास्थ्य विभाग की चिंता भी बढ़ गई है। जिला मलेरिया अधिकारी रामजी भलावी ने बताया है कि जिले में पड़ोसी जिलों व महानगरों से यदि कोई डेंगू व मलेरिया से संक्रमित मरीज आता है।

तो अन्य लोगों को भी बीमारी का खतरा है। इसे लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में गांव के लोगों को समझाइश दी जा रही है। साथ ही बाहर से आने वाले लोगों को यदि बुखार व बदन दर्द हो तो इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देने के लिए कहा जा रहा है।

जिला मलेरिया अधिकारी ने यह भी बताया कि बताया है कि डेंगू मच्छर साफ पानी में पनपता है। यह मच्छर सामान्यतः दिन में काटता है। यह स्थिर पानी जैसे कूलर, टंकी या घर में खुले में रखे बर्तन जिसमें कई दिनों से पानी बदला न गया हो या अन्य कोई जगह जहां पानी जमा हुआ हो, वहां डेंगू के मच्छर पनपते हैं।

इसलिए घरों में उपयोग किए जाने वाले कूलर, टंकी या अन्य बर्तन आदि को जहां पानी जमा होता हो, उसे सप्ताह में एक दिन पूरा बदलना चाहिए। वहीं डॉ टरों द्वारा सलाह दी जा रही है। और बताया जा रहा है कि तेज बुखार, बदन, सर व जोड़ों में दर्द, जी मचलाना व उल्टी होना, आंख के पीछे दर्द, त्वचा पर लाल धब्बे या चकते का निशान, नाक, मसूढ़ों से रक्तस्त्राव, काला मल का आना आदि डेंगू के लक्षण हैं।

डेंगू से बचाव के लिए घर में साफ-सफाई पर ध्यान रखें व घर के आसपास गंदगी जमा न होने दें, टायर व पुराने बर्तन, फूलदान व अन्य समानों में पानी जमा न होने दें और जमा पानी व गंदगी पर कीटनाशक का प्रयोग करें। जिले में छह सालों में डेंगू के मरीजों की सं या बढ़ी है। जिसमें 2018 - 03, 2019 - 02, 2020 - 04, 2021 - 116, 2022 - 31, 2023 - 36 (अब तक) मरीज हैं।

सनातनी ज्ञान परंपरा का अनुपम त्यौहारः गणेश चतुर्थी

राज किशोर वाजपेयी ÷अभय÷-
यह विश्व वि यात तत्व है कि भारतीय सनातनी धर्म परंपरा न केवल वैज्ञानिक है अपित इसमें मनोवैज्ञानिक सार्थक मानवीय कल्याण के तथ्य भी छुपे हुए हैं। भारत के सभी त्योहार इसी मनोवैज्ञानिक सत्य को उद्घाटित करते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण बात है कि व्यक्ति के मन पर मनोवैज्ञानिक तथ्यों का शाश्वत परिणाम प्रदर्शित होता है। गणेश चतुर्थी भी ऐसा ही एक सनातन धर्म का महत्वपूर्ण समाज सिद्ध त्यौहार है यहां ज्ञान के देवता के रूप में भाद्रपद मास में शु ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश उत्सव का प्रारंभ होता है भारत में अनादि-काल से गणेश जी की पूजा, ध्यान की परंपरा रही है।

गणों के ईश है गणेश - भारत गणतंत्र की जननी रहा है इसका इतिहास इस बात की प्रमाणिक पुष्टि करता है यहाँ जिनके प्रतिनिधि के रूप में गण की परंपरा प्रारंभिक काल से ही मिलती है?। गण और गणाधिपति शब्द भारतीय पुरा-साहित्य संपदा का उल्लेखनीय अध्याय है।

गणपति की उपस्थित भारतीय साहित्य में भी प्राचीन काल से ही देखने को मिलती है, फिर वह चाहे रामायण हो महाभारत हो पुराणों में हो अथवा भारत के मंदिरों में गणपति के विग्रह की स्थापन की बात ही ` यों न हो? कई मंदिरों में तो गणेश द्वार पर भी विराजित हैं कई दुर्गों के द्वारों के नाम गणेश द्वार अथवा गणेश पोल के रूप में भी पाए जाते है।

लोक मान्यता है कि गणेश? माँ पार्वती के पुत्र हैं जो माँ पार्वती के स्नान के समय अपने पुत्र गणेश को यह आज्ञा देने पर कि जब तक वह नहाती हैं तब तक किसी को निवास में प्रवेश न करने दे गणेश द्वार पर आज्ञा पालन में खड़े हैं। इस समय पिता शंकर वहां पर आते हैं और गणेश उन्हें निवास में प्रवेश से रोक देते हैं, तब गणेश से शंकर जी का युद्ध होता है और शंकर जी मां पार्वती के पुत्र गणेश को गणेश के सर को त्रिशूल से काट देते हैं मां पार्वती जब स्नान से बाहर निकलते हैं और यह दृश्य देखते हैं तो बहुत क्रोधित होती हैं और जब शंकर जी को भी यह पता लगता है कि गणेश तो उनका ही पुत्र है तब वह रुद्र से कहकर गणेश की संत चिकित्सा करने के लिए प्रयासरत होते हैं और पहले पाए जाने वाले जीव हाथी का सिर काटकर गणेश के धड़ पर लगा दिया जाता है

और गणेश गजानन हो जाते हैं।

शिव और पार्वती के विवाह के अवसर पर भी होती है गणपति की पूजा – मां पार्वती शिव के विवाह के अवसर के प्रसंग में गणपति स्थापना और पूजा का उल्लेख मिलता है इससे पता लगता है सनातन धर्म गणपति अनाड़ी देवता है जो भारत की लोक चेतना के रूप में प्रारंभ से विद्यमान है ऐसा प्रतीत होता है यह सनातनी परंपरा से प्रभावित होकर ही मां पार्वती और शंकर जी ने अपने पुत्र का नाम भी गणित रखा हो।

अद्भुत प्रतीक है गणेश – ज्ञान के देवता गणेश मूर्ति के रूप में विज्ञान और सामाजिक मनोविज्ञान के उत्कृष्ट उदाहरण है, जो बताता है के सनातनी परंपरा जटिल विषयों को किस प्रकार से लोक-चेतना का विषय सरलता से बना देती है। ज्ञान को समझने के लिए गणेश की मूर्ति के प्रतीक को समझना सामायिक होगा।

ज्ञान के प्रतीक के रूप में गणेश की मूर्ति बताती है की बड़े कान ज्ञान को अधिक सुनने अतीक सुनने के गन के प्रतीक हैं बड़ा पेट सुनकर बात को पचाने का प्रतीक है हाथी की सूँड ज्ञान के संवेदन-शील होने की जरूरत को बताता है। वहीं एकदंत होना ज्ञान के एकनिष्ठ और ध्येयवादी होने का संदेश देता है।

गणेश जी का वाहन चूहा कल का प्रतीक है जिस प्रकार कल निरंतर समय को काटता रहता है इस प्रकार चूहा भी निरंतर कुछ ना कुछ उतरता रहता है यह प्रतीक बताता है की ज्ञान को काल-सापेक्ष होना चाहिए बीते समय की तकनीकी आज के समय में उपयोगी नहीं होती इस बात का संदेश भी मूषक वहां के रूप में गणेश प्रतिमा से मिलता है।

गणेश –परिवार का अर्थ – गणेश विद्या और बुद्धि, समृद्धि के देवता हैं। गणेश जी की दो पत्नियों हैं रिद्धि और सिद्धि के रूप में जिन्हें जाना जाता है। गणेश जी के दो पुत्र भी हैं शुभ और लाभ।

प्रतीक के रूप में गणेश परिवार बताता है कि सनातन धर्म की परंपरा में यह सुस्पष्ट किया गया हैं की जो लाभकारी है जरूरी नहीं वह शुभकारी भी हो। पर जो शुभकारी है वह लाभकारी होगा ही। इसीलिए पहले शुभ और फिर लाभ लिखने की सनातनी परंपरा है। गणेश परिवार सनातनी मानवीय उत्कृष्ट परंपराओं को निर्मित करने, बनाए रखनें और भविष्य के लिए समृद्ध करने की महत्वपूर्ण आयोजना भी है।

गणेशोत्सव और लोकमान्य बालगंगाधर तिलक – बीसवीं सदी के प्रारंभ में जब साम्राज्यवादी ब्रिटिश सरकार ने भारतीय चेतना को नष्ट करने के कुटिल पैंतरें चलने प्रारंभ किये तब महाराष्ट्र में लोकमान्य तिलक ने लोक चेतना को जगाने के लिए गणपति-उत्सव का प्रारंभ किया। जन-चेतना को जगाने के लिए सामाजिक कार्यक्रम गणेश उत्सव के साथ जोड़े गए?। धार्मिक शक्ति के रूप में भारतीय जन चेतना अपराजेय होती है इस बात को युगों से जाना जाता है।

लोकमान्य तिलक ने इस अपराजेय चेतना को जगाने का सत् प्रयास किया और उनके द्वारा लोक चेतना के जागरण का उद्योग प्रारंभ किया गया। इसी से प्रेरित होकर स्वातंत्र-वीर सावरकर ने सनातनी हिंदू शब्दावली गढ़ शौर्य पूर्ण चमक दी। यह कहना थी ना होगी यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी की इस लोक जागरण के कारण ही गांधी जी का भारतीय स्वतंत्रता अभियान भी सफलता की ओर बढ़ चला था।

गणेशोत्सव का महत्वपूर्ण प्रभाव – यह गणेश उत्सव की ही अनुपम परिणीति थी की सोया सनातन जाग उठा और यही वह सनातन है जिसने न केवल जिहादियों का सफलतापूर्वक मुकाबला किया बल्कि साम्राज्यवादी अंग्रेजों के भी मंसूवों को घुटनों पर ला दिया। आज गणेश उत्सव केवल महाराष्ट्र का ही नहीं देशभर का एक प्रमुख लोक - जागरण का त्योहार बन गया है, जिसमें गणेश जी की 11 दिन की आराधना के माध्यम से लोगों के संगठन और लोक चेतना की जागरण का कार्य सहज रूप से होता जाता है।

गणेश उत्सव का महत्व¬ गणेशोत्सव से भारत में भारतीय शिक्षा के प्रसार में बृद्धि हुई। राष्ट्रीय गौरव भाव में बृद्धि होने से ही न केवल आज भारत विश्व की तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था हो गया है बल्कि वह विश्व मंच पर विश्व गुरु के रूप में अपना स्थान बनाने के लिए अपनी तकनीकी और सृजन शक्ति के कारण मान्य हो उठा है। चंद्रयान-मिशन और आदित्य मिशन की कहानी भारतीय भविष्य की झाँकी प्रस्तुत कर रही है। भारतीय सनातन शक्ति की सफलता अंतरराष्ट्रीय बाजारवाद, कट्टर इस्लामी आतंकवाद, ईसाईयत के साम्राज्य वाद को समय रहते समझना और उसका निदान करने में जुड़ी हुई है। सनातन अपनी शक्ति से इन चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम है और विजय- सूतक इस विजय यात्रा का प्रतीक गणेशोत्सव सनातनी ध्वज बनाकर लहरा रहा है।

पत्रकार एवं लेखक लोकेन्द्र सिंह को मिलेगा 'पं. प्रताप नारायण मिश्र युवा साहित्यकार स मान-2023'

भोपाल। मध्यप्रदेश के पत्रकार-लेखक और माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक लोकेन्द्र सिंह को 'पं. प्रताप नारायण मिश्र युवा साहित्यकार स मान-2023' दिए जाने की घोषणा की गई है। उन्हें यह स मान भाऊराव देवरस सेवा न्यास, लखनऊ की ओर से दिया जाएगा।

न्यास विगत 28 वर्षों से अवध प्रांत के जीवनदानी कार्यकर्ता स्व. प्रताप नारायण मिश्र की स्मृति में देश के युवा साहित्यकारों को स मानित करता आ रहा है। यह स मान प्रेरणास्पद साहित्य-सृजन के लिए दिया जाता है। लेखक लोकेन्द्र सिंह को यह स मान 'पत्रकारिता' विधा में दिया जा रहा है। वे देशभर के समाचारपत्र-पत्रिकाओं एवं

वेबसाइट्स के लिए विभिन्न मुद्दों पर निरंतर लेखन कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि लेखक लोकेन्द्र सिंह को इसी वर्ष साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश की ओर से ब्लॉग/फेसबुक/नेट पर लेखन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 'अखिल भारतीय नारद मुनि पुरस्कार-2021' भी दिया गया है। अब तक उनकी दस से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हैं, जिनमें- डॉ. भीमराव अ बेडकर ¬ पत्रकारिता एवं विचार, मैं भारत हूँ (काव्य संग्रह), देश कठपुतलियों के हाथ में (लेख संग्रह), हम असहिष्णु लोग (लेख संग्रह), संघ दर्शन ¬अपने मन की अनुभूति, हिंदी पत्रकारिता विमर्श (संपादन), रतौना आन्दोलन ¬ हिन्दू-मुस्लिम एकता का सेतुबंध (सह लेखक) और राष्ट्रवाद एवं मीडिया (सह-संपादक) सहित अन्य प्रमुख हैं। इसके साथ ही वे हिन्दी ब्लॉगिंग से जुड़े हैं। देश के चुनिंदा ब्लॉगर में उनकी गिनती होती है। उनके ब्लॉग 'अपनापंचू' पर कहानी, कविता, ललित निबंध, रेखाचित्र, यात्रा वृत्तांत के साथ ही समसामयिक विषयों पर आलेख हैं। कोरोना महामारी के बाद से उन्होंने यूट्यूब पर 'अपना वीडियो पार्क' नाम से वीडियो ब्लॉगिंग भी शुरू की है। यहां भी वे कविता और यात्रा वृत्तांत के साथ सामयिक विषयों पर रोचक जानकारी प्रस्तुत करते हैं।

चंदेरी महोत्सव का शुभारंभ 5 अ टूबर से

भोपाल । मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा अशोकनगर जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल चंदेरी में चंदेरी महोत्सव की शुरुआत होगी। सनसेट डेजर्ट कै प के सहयोग से आयोजित होने वाले महोत्सव के पहले संस्करण का रंगारंग आगाज 5 अे टूबर से होगा। लोक कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ यात कालाकारों द्वारा लाइव संगीत की प्रस्तुति, डीजे नाइट्स और रोमांचित करने वाली साहसिक गतिविधियाँ भी होंगी। पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य के बीच लग्जरी ग्लैंपिंग का अनुभव मिलेगा।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिवशेखर शु ला ने बताया कि प्रदेश की समृद्ध कला एवं संस्कृति को प्रचारित करने, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करने, विकासोन्मुखि गतिविधियों में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चंदेरी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। अशोकनगर जिला प्रशासन के सहयोग से हो रहे चंदेरी महोत्सव में क्षेत्र की समृद्ध विरासत और उत्कृष्ट हथकरघा परंपराओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

चंदेरी महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ समारोह 05 अे टूबर को चंदेरी किले पर होगा। प्रथम पाँच दिन विशेष आयोजन होंगे, जिसमें देशभर से आने वाले ट्रेवल एजेंट्स, टूर ऑपरेट्रर्स, होटेलियर सहित पर्यटन क्षेत्र से जुड़े अन्य हितधारकों को आमंत्रित किया जाएगा।

***कला, संस्कृति और रोमांच का संगम**
***मध्यप्रदेश टूरिज्म और सनसेट डेजर्ट कै प का संयुक्त आयोजन**
***हॉट एयर बलूनिंग, पैरामोटरिंग जैसी साहसिक गतिविधियों का मिलेगा रोमांच**
***प्राकृतिक सौंदर्य के बीच लग्जरी ग्लैंपिंग का मिलेगा अनुभव , सांस्कृतिक गतिविधियाँ होंगी**

आधुनिक और लग्जरी सुविधाओं से परिपूर्ण एक टेंट सिटी भी स्थापित की जा रही है। चन्देरी पहुंचने वाले पर्यटक साहसिक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे, शाम को लक्ष्मण मंदिर में महा आरती होगी। महोत्सव में सांस्कृतिक एवं रोजगारन्मुखी कार्यशालाएँ भी होंगी।

डीजे नाइट्स और लाइट्स एंड साउंड शो, हॉट एयर बैलून ग्लो शो, विंटेज कार रैलियां और फोटोग्राफी वर्कशॉप जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। टेंट सिटी में आने वाले पर्यटकों को चंदेरी से 4 किलोमीटर दूर 'वस्त्र एवं शिल्प पर्यटन ग्राम' प्राणपुर का स्थानीय भ्रमण भी करवाया जाएगा। लोग चंदेरी में साड़ियों को बनते देख सकेंगे, योग एवं मेडिटेशन सत्र रहेंगे। साथ ही मेला मैदान में क्रिकेट और वॉलीबॉल टूर्नामेंट जैसे विभिन्न आयोजन भी होंगे।

चंदेरी महोत्सव में होंगी आकर्षक गतिविधियां

मेहमानों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, कला प्रदर्शनी, लाइट एंड साउंड शो, हॉट एयर बलून ग्लो शो, डीजे नाइट, लाइव बैंड एवं यूजिक कॉन्सर्ट, योग एवं मेडिटेशन, विंटेज कार रैली, प्राणपुर गांव भ्रमण, भील कला पर कार्यशाला, फोटोग्राफी कार्यशाला, बोटिंग, स्टोरी-टेलिंग सेशन, महाआरती, एडवेंचर, ग्रामीण एवं कृषि पर्यटन कार्यशाला, मोन्यूमेंट विजिट, फेशन शो, राजा रानी महल, कवि स मेलन, स्थानीय व्यंजनों पर कार्यशाला जैसी गतिविधियाँ होंगी।

लाड़ली बहना योजना से मध्यप्रदेश में हुई सामाजिक क्रांति - मु यमंत्री चौहान

भोपाल। मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खुरई के 100 बिस्तर के सिविल अस्पताल का 150 बिस्तर के अस्पताल में उन्नयन, बरोदियां कला में एक शासकीय कॉलेज, बांदरी में शासकीय आईटीआई, बीना के भानगढ़ में शासकीय कॉलेज, खुरई के रजवांस में 132 केवी विद्युत सब स्टेशन स्वीकृत करने की घोषणा की। मु यमंत्री ने कहा कि भोपाल-बीना-खुरई-सागर मार्ग को इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित किया जायेगा। मु यमंत्री श्री चौहान आज सागर जिले के खुरई में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जनसभा में उत्तराखंड के मु यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, बीना के विधायक श्री महेश राय सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मु यमंत्री श्री चौहान और उत्तराखंड के मु यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने खुरई विधानसभा क्षेत्र के लिए 216 करोड़ 46 लाख

के विकास कार्यों का रिमोट से शिलान्यास किया।

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में क्रियान्वित की जा रही लाड़ली बहना योजना, केवल योजना नहीं बल्कि सामाजिक क्रांति है। यह महिलाओं को उनके अधिकार देने की योजना है। मु यमंत्री ने गर्व से कहा कि मैं 1.32 करोड़ लाड़ली बहनों का भाई हूं। मु यमंत्री लाड़ली बहना योजना में बहनों को मिल रही राशि को धीरे-धीरे बढाकर 3 हजार रू. किया जाएगा। सरकार के पास धनराशि की कोई कमी नहीं है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बीना रिफाइनरी परिसर में 50 हजार करोड़ से पेट्रोकेमिकल का पले स की आधार शिला रखी गई। इसके पूरा होने से बीना, खुरई, विदिशा, सागर की तस्वीर बदलेगी। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे मु यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ उठाकर अपना उद्योग स्थापित करें, मध्यप्रदेश सरकार उनकी मदद करेगी। मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उत्तराखंड के मु यमंत्री श्री पुष्कर धामी ने कम समय में अपने प्रदेश को उंचाइयों तक पहुंचाया है। खुरई विधानसभा क्षेत्र में विकास के नए सोपान स्थापित हुए हैं। नगरीय विकास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने प्रदेश के नगरों के विकास की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। खुरई की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जितना प्यार और दुलार इस क्षेत्र की जनता ने दिया, हमने भी विकास कार्यों की सौगात खुरई को दी है। मैं सरकार नहीं परिवार चलाता हूं।

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने लैपटाप, साईकिल, वितरण, संबल और मु यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना सहित कई योजनाएं बंद कर दी थी, जिन्हें इस सरकार ने पुनः शुरू किया। मध्यप्रदेश की धरती पर मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई अब हिन्दी भाषा में हो रही है। सरकारी स्कूल के जो विद्यार्थी नीट की परीक्षा पास करेंगे, उनके लिए मेडिकल में प्रवेश हेतु 5 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाने का निर्णय लिया गया है। गरीबों को 3.61 करोड़ का आयुष्मान कार्ड बनाकर दिए गए हैं।

श्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि उत्तराखंड यदि देवभूमि है तो बुंदेलखंड वीरों की भूमि है। मु यमंत्री श्री चौहान का दिल हमेशा जनता के लिए धडकता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक ताकत बढ़ी है। प्रधानमंत्री भारत को विश्व का सिरमौर और शक्तिशाली बनाने का कार्य कर रहे है। वर्ष 2003 की तुलना में आज का मध्यप्रदेश विकसित और समृध्द है। बिजली, सड़क, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। श्री धामी में सागर में बिताए बचपन के दिनों का भी जिक्र किया।

मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि श्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश के लिए ईश्वर का वरदान है। खुरई विधानसभा क्षेत्र विकास के लिए जो मांगा गया उन्होंने कभी इंकार नहीं किया। खुरई की जनता उनका यह ॠण कभी नहीं चुका सकती।

भारत वैभव संपन्न होकर विश्व को शांति का मार्ग दिखाए – डॉ. मोहन भागवत जी

पुणे, । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने कहा कि विश्व में सौमनस्य स्थापित हो और भारत देश वैभव संपन्न होकर सारे विश्व को शांति का मार्ग दिखाए, यह संकल्प श्री गणेश जी के सामने आज किया गया है. इस संकल्प को पूर्ण करने के लिए हर व्यक्ति को प्रयास करना होगा.

सरसंघचालक जी गणेश चतुर्थी के अवसर पर पुणे के सुप्रसिद्ध श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति के सार्वजनिक गणपति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में संबोधित कर रहे थे. गणपति प्राण प्रतिष्ठा सरसंघचालक जी के हाथों सपन्न हुई.

डॉ. मोहन भागवत जी ने कहा कि संपूर्ण विश्व पीड़ा से मुक्त हो, विश्व में मंगलता हो और सौमनस्य प्रस्थापित हो, यह संकल्प श्री गणेश जी के समक्ष किया गया है. इस संकल्प को पूर्ण करने के लिए हम सभी को प्रयास करने होंगे योंकि संकल्प को पूर्ण करने की शक्ति भगवान की है. लेकिन हमें भी उसमें अपना योगदान देना होगा. इसलिए हम सभी को यह प्रयास करना चाहिए.

श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति पुणे का ऐतिहासिक मंदिर है. मंदिर की ओर से सुवर्णयुग मंडल ट्रस्ट द्वारा सार्वजनिक गणेश उत्सव मनाया जाता है. इस वर्ष मंडल ने अयोध्या में निर्माणधीन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की प्रतिकृति बनाई है.

पुणे में सार्वजनिक गणेश उत्सव आज पारंपरिक उत्साह के साथ प्रारंभ हुआ. पुणे के प्रथम पांच गणपति यानी कसबा गणपति, तांबड़ी जोगेश्वरी गणपति, गुरुजी तालिम मंडल गणपति, तुलसीबाग गणपति तथा केसरीवाड़ा गणपति की भव्य शोभायात्राएं निकालकर गणेश प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई. इस अवसर पर ढोल ताशे और पारंपरिक वाद्यों का वादन किया गया. विभिन्न स्थानों पर रंगोली सजाई गई थी.

शङ्करवातरणम् में सांस्कृतिक एकता को प्रतिबिं बत करेंगी संगीत और नृत्य प्रस्तुतियाँ

एकात्मधाम में होगी भारत की एकात्मकता की दिव्य अनुभूति

भोपाल । आचार्य शंकर के व्यक्तित्व, विचार और अद्वैत वेदान्त दर्शन की उनकी दीक्षा भूमि ङ्क कर्मभूमि को ओंकारेश्वर में मध्यप्रदेश सरकार साकार रुप दे रही है। एकात्म धाम में आचार्य शंकर की प्रतिमा के साथ अलौकिक एकात्म धाम भारत की सांस्कृतिक विरासत से साक्षात्कार कर सकेंगे। ओंकारेश्वर में 21 सित बर से हो रहे शङ्करवातरणम् कार्यक्रम में भारत की सांस्कृतिक एकता को सांगीतिक प्रस्तुतियों एवं शैव पर परा पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से चित्रित किया जाएगा। इन आकर्षक और मनोहारी प्रस्तुतियों को देश भर से आने वाले वि यात कलाकार प्रस्तुत करेंगे। मध्यप्रदेश की पावन धरती आचार्य शंकर की दीप्ति से पुनर्प्रकाशित होगी और विविधता में एकता की सांस्कृतिक विरासत इन नृत्यों के माध्यम से जीवंत हो उठेगी।

शिवोऽहम में भगवान शिव के नृत्य की प्रस्तुति के साथ भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों के साथ 25 मिनट की कोरियोग्राफिक नृत्य की प्रस्तुति होगी। भारत के 6 शास्त्रीय नृत्य- भरतनाट्यम, कथक, छाऊ, ओडिसी, मोहिनीअट्टम और मणिपुरी नृत्य से शिव की अभिव्यक्तियों को अपनी अनूठी शैली में प्रस्तुत किया जाएगा। इसकी समग्रता में कोरियोग्राफिक समवेत प्रस्तुति के माध्यम से 'ॐ' में संकल्पित होते हुए दर्शाया जाएगा। शङ्करवातरणम् के क्रम में 'शंकर संगीत' में श्रेष्ठ संगीतकार, हिन्दुस्तानी संगीत एवं कर्नाटक संगीत शैली में आचार्य शंकर विरचित स्त्रोतों का गायन करेंगे। इनमें पण्डित संजीव अ यंकर (हिन्दुस्तानी संगीत), पण्डित जयतीर्थ मेवुण्डी (हिन्दुस्तानी संगीत) , सुश्री सुधा रघुरामन (कर्नाटक संगीत) और सुश्री मामलम बहनें (कर्नाटक संगीत) की प्रस्तुतियाँ देंगी।

कार्यक्रम में शैव पर परा पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियों को देश भर से आए कुल 337 कलाकारों द्वारा मंचित किया जाएगा। साथ ही शंख वादन में 80 कलाकार, केरल शैली एवं पंचायतन में कुल 95 कलाकार और 250 बटुक वेदपाठियों द्वारा एकात्मता की प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को इन नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से मंचित किया जाएगा। यह महान क्षण हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश से प्रसारित होगा और आचार्य शंकर का शाश्वत मन्त्र शिवोऽहम् एकात्मधाम को निरुपित करने वाली शैव पर परा की इन नृत्य प्रस्तुतियों से एकात्म धाम और शङ्करवातरणम् में पधारे अतिथि रोमांचित हो उठेंगे।

यक्षगान में कर्नाटक के 7 कलाकार , खरसवा छाऊ में झारखण्ड के 13, डेरुजंगम में हरियाणा के 12 , पेरिनी शिवतांडवम् में तेलंगाना के 13 , घण्टा व मृदंगम् में ओडीसा के 13 , ढेलूकुनीता में कर्नाटक के 13 , ओग्गूडोलू में तेलंगाना के 13 , गुरू वायाय्यलू में आन्ध्रप्रदेश के 11 , शिवबारात में उत्तरप्रदेश के 10 , श्मसान होली व अघोरी में उत्तरप्रदेश के 10, डमरू (बड़े) वादन में उत्तरप्रदेश के 20 , पुरलिया छाऊ में पश्चिम बंगाल के 13, छम नृत्य में हिमाचल/लेह लद्दाख के 8 , कथकली में केरल के 10, तैयम में केरल के 10 , हिल जाला में उत्तराखण्ड के 13 , मोनपा नृत्य में अरूणाचल प्रदेश के 10 और सिघी छम में सिक्किम-मानेस्ट्री के 8 कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। वहीं कथक, भरतनाट्यम, मोहिनीअट्टम ,ओडिसी नृत्य में 20 ङ्क 20 कलाकारों की सं या में नृत्य प्रस्तुतियाँ होंगी। साथ ही समकालीन नृत्य में 50 कलाकार प्रस्तुतियाँ देंगे। शंख वादन की प्रस्तुतियों में असम शंख में 20, भोरताल एवं बड़ी झाँझ – असम में 20, मणिपुरी शंख एवं पुंग में 20 और जोडी शंख ङ्क ओडीसा में 20 कलाकारों सहित कुल 80 कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियाँ होंगी।

सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

मंडला यशोः- जिला शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा अभियान ने बताया कि समग्र शिक्षा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान अंतर्गत जिला स्तर पर 13 सितंबर से 16 सितंबर तक हॉटल आर्शीवाद पेलेस मंडला में शासकीय हाईस्कूल एवं उमावि के सामाजिक विज्ञान विषय शिक्षकों को 4 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में शिक्षकों को हाईस्कूल परीक्षा परिणाम के अतिरिक्त सामाजिक विज्ञान की अवधारणाओं को स्पष्ट कर शिक्षकों को व्यवहारिक कठिनाईयों के निवारण के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों द्वारा जिले के समस्त शासकीय हाईस्कूल, हायरसेकेंडरी विद्यालय के 1-1 शिक्षक को प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पृथ्वी झुकी हुई यों है, मानचित्र को भरते समय` या सावधानियां रखनी चाहिए। विमर्श पोर्टल की जानकारी, प्राचीन एवं नवीन इतिहास संबंधित कठिन अवधारणा का निवारण, मुद्रा एवं शाख जैसी कठिन अवधारणाओं, राजनीति विषय में सत्ता की साझेदारी को गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को कैसे समझाया जाए और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा की गई।

अपनी पुरानी लंबित मांगों को लेकर मंडी कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर
पूर्व में मु यमंत्री के आश्वासन के बाद भी नहीं हुई मांगे पूरी

छपारा यशोः- संयुक्त संघर्ष मोर्चा म.प्र. कृषि उपज मंडी समिति इकाई छपारा के कर्मचारी गत 18सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। मंडी कर्मचारियों के द्वारा सोमवार को नगर के तहसील कार्यालय पर ज्ञापन सौंप कर सूचित किया गया साथ ही भारसाधक अधिकारी कृषि उपज मंडी समिति छपारा , जिला कले टर सहित सभी वरिष्ठ कार्यालय को पत्राचार के माध्यम से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की सूचना दी गई संयुक्त संघर्ष मोर्चा इकाई छपारा कर्मचारियों के द्वारा कार्यालय पर ताला लगाकर एवं काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन जताया जा रहा है, 12 सितंबर से कृषि उपज मंडी प्रांगण पर हड़ताल पर बैठे कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा महासंघ अध्यक्ष ढाल सिंह शिव के द्वारा बताया गया कि तीन वर्ष पूर्व भी सितंबर माह में मंडी समितियां के द्वारा आंदोलन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से मांगे मंडी समिति के विभिन्न अमले का आमेलन किया जाए, सहायक उप निरीक्षक वर्ग को खत्म कर उनका नाम मंडी निरीक्षक

या मंडी उप निरीक्षक किया जाए एवम, समय मान वेतन के संबंध में विसंगतियों को दूर किया जाए, कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के उपरांत उनके सारे ेलेम का भुगतान मंडी बोर्ड से ही किया जाए, स्थानांतरण नीतियों में जो छोटे कर्मचारी हैं जिला के अंदर ही स्थानांतरित किया जाए ज्यादा दूर ना किया जाए, लेखपाल तृतीय वर्ग का पद खत्म कर लेखपाल वर्ग 1 वर्ग 2 किया जाए, कर्मचारियों को 10 वर्ष पूर्ण होने पर जो मिलने वाला प्रथम समयमान, द्वितीय समय मान, समय अवधि होने पर दिया जाए जोकि अधिकांश कर्मचारियों को नहीं दिया गया है,अपनी मांगो को लेकर बैठे कर्मचारियों मै मंडी सचिव पीतांबर सिंह परिहार, एनपी यादव, ढाल सिंह शिव, निजाम सिंह बघेल, विक्रमादित्य जवारे, प्रदीप पाठक, सुश्री सृष्टि जैन और श्रीमती मिथिलेश ठाकुर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं।

जिला खनिज फण्ड बैठक स पन्न

सिवनी यशोः- बुधवार 20 सित बर को कले ट्रेट सभाकक्ष में जिला खनिज फण्ड बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विधायक सिवनी श्री दिनेश राय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डेहरिया, जनपद अध्यक्ष सिवनी श्रीमती किरण भलावी, जनपद अध्यक्ष कुरई श्री लोचन सिंह मर्सकोले एवं कले टर श्री क्षितिज सिंघल एवं सीईओ जिला पंचायत श्री नवजीवन विजय सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में जिला खनिज फण्ड के माध्यम से जनसामान्य की सुविधा के लिए सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सहित विभिन्न विकास कार्यों को पूर्ण करवाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर उच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ साथ जिला चिकित्सालय सहित अन्य चिकित्सालयों में स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन चिकित्सकीय उपकरणों को खनिज फण्ड से क्रय किए जाने को लेकर स्वीकृति प्रदान की गई।

अवैध शराब के उत्पादन, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरूध्द सतत जारी है कार्यवाही

सिवनी यशोः- कले टर क्षितिज सिंघल के निर्देशों के परिपालन में आबकारी विभाग द्वारा जिले में जहरीली एवं अवैध शराब के उत्पादन, संग्रह, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी रोक लगाने हेतु सतत कार्यवाही की जा रही हैं। इसी क्रम में आबकारी विभाग के दल द्वारा 11 सित बर से 17 सित बर 23 तक वृत्त उत्तर में 7 प्रकरण पंजीबध्द करते हुए 7498/- रू. अनुमानित मूल्य की 30.16 ब.ली.मदिरा जप्त कर नष्ट करने की कार्यवाही की गई। इसी तरह वृत्त दक्षिण में 6 प्रकरण पंजीबध्द करते हुए 183688/- रू. मूल्य की 47.80 ब.ली. मदिरा एवं 1720 किग्रा महुआ लाहन, वृत्त शहर में 8 प्रकरण पंजीबध्द करते हुए 103580/- रूपये की 85.40 ब.ली. मदिरा एवं 825 किग्रा महुआ लाहन, वृत्त लखनादौन में 7 प्रकरण पंजीबध्द करते हुए 22555/- रूपये की 29.32 ब.ली. मदिरा एवं 150 किग्रा महुआ लाहन तथा वृत्त घंसौर में 4 प्रकरण पंजीबध्द करते हुए 4800/- रूपये अनुमानित मूल्य की 20.00 ब.ली. मदिरा जप्त कर नष्ट करने की कार्यवाही की गई। इस प्रकार स पूर्ण जिलें में कुल 32 प्रकरण पंजीबध्द किए गए।

मतदाता जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को किया जा रहा जागरूक

सिवनी यशोः- आगामी विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार जिले में सतत जनजागरूकता गतिविधियां संचालित हैं। मतदाताओं से आगामी निर्वाचन में अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु सतत स्वीप गतिविधियों का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। स्कूल- कॉलेजों छात्र-छात्राओं द्वारा रेली, मतदाता पाती आमंत्रण पत्र, निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला, रंगोली सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से आमजनों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

बाघ के शिकार यशवंत राव के परिवार को मिलेंगे 25 लाख रुपए की आर्थिक मदद

बरघाट विधायक अर्जुन सिंह काकोडिया और रामटेक विधायक आशीष जायसवाल की मदद

सिवनी यशोः- सिवनी के खवासा सामान्य वन परिक्षेत्र खंडासा निवासी यशवंतराव के साथ अन्य लोग भी मवेशी चराने गांव से लगे जंगल में गए था। यशवंत राव सभी के साथ अपनी मवेशी लेकर वापस लौट गया था किंतु उसकी एक बछिया वापस नहीं लौटी थी जिसको लेने के लिए वापस जंगल लोटा, जब वहां वापस पहुंचा तो मवेशी चराते चराते मध्यप्रदेश से लगी महाराष्ट्र की सीमा से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे महाराष्ट्र के देवलापार वन परिक्षेत्र के ग्राम करवाई की सीमा मे पहुंच गयी थी, तभी बाघ ने यशवंत राव पर हमला कर दिया। हमले के बाद घटनास्थल पर ही यशवंत राव की मृत्यु हो गई। इसके बाद मामला महाराष्ट्र का होने के कारण मध्य प्रदेश के जुड़े वन विभाग के कर्मचारियों ने कार्यवाही का जि मा महाराष्ट्र सरकार के ऊपर डाल दिया? ।

दोनों विधायकों ने की मदद - जानकारी मिलने पर बरघाट विधायक अर्जुन सिंह काकोडिया मृतक के घर पहुंचे जहां उन्होंने महाराष्ट्र के रामटेक विधायक आशीष जायसवाल से बात कर मृतक को अधिक से अधिक मुआवजा दिए जाने की बात कही, इसके बाद विधायक आशीष जायसवाल द्वारा वन विभाग से बात कर 25 लाख का मुआवजा अति शीघ्र देने के निर्देश दिए गए।

महाराष्ट्र में अलग नियम - महाराष्ट्र में अगर कोई भी व्यक्ति जंगल में बाघ से हमले का शिकार हो जाता है तो उसे आर्थिक सहायता नहीं दी जाती किंतु दोनों विधायकों के प्रयास से मृतक का घर 3 किलोमीटर क्षेत्र के अंतर्गत घटनास्थल पाए जाने पर राशि प्रदान किए जाने की बात कही।

पोषक तत्व युक्त है श्री अन्न, खेती के लिए किसानों को किया जा रहा प्रोत्साहित

सिवनी यशोः- श्री अन्न (मोटे/ मिलेट्स) अनाज की खेती को बढावा देने के लिए भारत सरकार इस वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष मना रही है। जिसमें बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी कुटकी, कोदो, सवां और चेना शामिल हैं। ये अनाज मानव शरीर के लिए काफी गुणकारी हैं. जिले में इस वर्ष बड़े स्तर पर किसान भाई श्री अन्न की खेती कर रहे है। फसल लगभग तैयार है। किसानो को अच्छी पैदावार की उ मीद है। कृषि विज्ञान केन्द्र सिवनी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ एन के सिंह के मार्गदर्शन में केन्द्र के खाद्य विज्ञानं विशेषज्ञ डॉ जी के राणा द्वारा भारतीय मिलेट्स अनुसंधान संस्थान हैदराबाद से बीज मगा कर केंद्र के फसल संग्रहालय में लगवाया गया है एवं किसानो को इसकी खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

श्री अन्न की जरुरत- पौष्टिकता: मिलेट्स में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन, मिनरल्स और अन्य पोषक तत्वों की अच्छी मात्रा होती है।

ग्लूटेन-मुक्त विकल्प: मिलेट्स ग्लूटेन-मुक्त होते हैं, ग्लूटेन एक प्रकार का प्रोटीन है जो कुछ लोगों को अनुशंसित नहीं होता है, जैसे कि ग्लूटेन संबंधित रोग (जैसे कि सेलिएक रोग) वाले लोग। मिलेट्स इन लोगों के लिए एक सुरक्षित और पौष्टिक विकल्प होते हैं।

जल संरक्षण: श्री अन्न (मोटे/ मिलेट्स) अनाज कम जल की आवश्यकता होती है और जल संसाधनों को बचाने में मदद करते हैं। जल की कमी वाले क्षेत्रों और बर्रा मुरम वाले खेतों में भी उगाये जा सकते हैं।

उचित मूल्य: इनकी खेती करना सस्ता होता है और इन्हें खरीदने के लिए कम पैसे खर्च करने पडते हैं। इसलिए, मिलेट्स के उपयोग से लोग स्वास्थ्यपूर्ण आहार के लिए कम खर्च में पहुंच सकते हैं।

भूमि संरक्षणर: इन्हें उगाने के लिए कम पानी, उर्वरक और कीटनाशक की आवश्यकता होती है। इससे माटी को अधिक गर्म और स्वस्थ बनाए रखा जाता है और मिट्टी की प्राकृतिक संरचना को स्थायी रूप से संघटित रखता है।

फसल कितने दिन मे तैयार हो जाती है?: फसल 85-110 दिन मे तैयार हो जाती हे। बाजार में कोदो-कुटकी के साथ ही इसकी भी मांग बहुत ज्यादा है।

श्री अन्न से या- या बनाया जा सकता है?: ग्रामीण अंचल में श्री अन्न की रोटी, लड्डू प्रचलित हे। बडे शहरो में भी इसकी मांग है। श्री अन्न से केक, बिस्कुट, सहित अन्य खाद्य सामाग्री तैयार की जा रही है। बाजार में श्री अन्न के आटे की कीमत 150-170 रूप, प्रति किलो तक है।

मिलेट्स का सेवन कई बीमारियों में लाभदायक हो सकता है।

डायबिटीज: मिलेट्स में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो खाद्य पदार्थों के अवशोषण को धीमा करती है और रक्त शर्करा के स्तर को संतुलित रखने में मदद करती है।

हृदय रोग: मिलेट्स में नियमित रूप से उच्च प्रोटीन, फाइबर और अल्फा-लिनोलेनिक एसिड (ꠈꠉ) पाया जाता है,

मोटापा: यह वजन कम करने और संतुलित वजन को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

शरीरिक कमजोरी-पोषक मानको के कारण, इनका सेवन शरीरिक कमजोरी को दूर करने और पौष्टिकता को बढाने में मदद कर सकता है।

विटामिन और मिनरल की कमी: इनमें फोलेट, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, और विटामिन सी आदि होते हैं, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होते हैं।

एकात्म धाम का शंकर संग्रहालय होगा प्रमुख आकर्षण का केंद्र

सिवनी यशोः- सनातन धर्म के पुनरुद्धारक, सांस्कृतिक एकता के देवदूत और अद्वैत वेदांत दर्शन के प्रखर प्रवक्ता %आचार्य शंकर% के जीवन एवं दर्शन को समर्पित ÷एकात्म धाम÷ का निर्माण ओंकारेश्वर, खंडवा में किया जा रहा है। आचार्य शंकर के दर्शन के लोकव्यापीकरण के उद्देश्य से ओंकारेश्वर को अद्वैत वेदांत के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। अद्वैत लोक के शंकर संग्रहालय में अद्वैत वेदांत दर्शन के विभिन्न मूल्यों से परिचय कराने के लिये नवीन तकनीकी आधारित प्रकल्प विकसित किए गए हैं। शंकर संग्रहालय, एकात्म धाम का प्रमुख आकर्षण का केंद्र होगा।

शंकर संग्रहालय में 500 लोगों की बैठक व्यवस्था वाला हाई स्क्रीन थिएटर होगा। जिसमें आचार्य शंकर के जीवन और दर्शन पर आधारित फीचर फिल्म ÷शंकर÷ का प्रदर्शन होगा। संग्रहालय में वेदांत व्या या के लिए ÷सृष्टि÷ गैलरी विकसित की जाएगी। संग्रहालय के श्री यंत्र प्रांगण में प्रत्येक दिवस लेजर, लाइट, वाटर एंड साउंड शो का प्रदर्शन किया जाएगा। 3þ होलोग्राम और अन्य आधुनिक तकनीकी के माध्यम से ब्रह्मा, सृष्टि, माया, जीव एवं जगत आदि सिद्धांतों को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। शो के दौरान प्रतिमा, पेडेस्टल, हंसद्वार, श्री यंत्र, ओम स्तंभ और शिखर पर प्रोजे शन मेपिंग भी की जाएगी। संग्रहालय के विशेष कक्ष में डायोरामा के माध्यम से आचार्य शंकर के जीवन पर आधारित 5 से 7 मिनट की दृश्यवलियाँ प्रस्तुत की जायेंगी।

निदिध्यासन केंद्र और नर्मदा विहार

ध्यान के केंद्र के रूप में शंकर संग्रहालय में निदिध्यासन केंद्र स्थापित किया जाएगा। 300 व्यक्तियों की क्षमता वाले इस केंद्र का मु य विचार बिंदु अहम् ब्रह्मास्मि रहेगा।

इस केंद्र की मु य गतिविधियाँ ध्यान, श्रवण, मनन और निदिध्यासन आदि के विचार पद्धति पर आधारित होगी। पर्यटकों के विशेष आकर्षण के रूप में शंकर संग्रहालय के निचले तल पर नर्मदा विहार निर्मित किया जाएगा। इसमें स्वचालित नौकाओं के माध्यम से पर्यटक नौका विहार कर सकेंगे।

कला वीथिका और शंकर स्त भ

आचार्य शंकर के जीवन, दर्शन तथा रचनाओं पर आधारित विभिन्न शैलियों यथा केरल यूरल, पट्टचित्र, कांगड़ा, मधुबनी, समकालीन विभिन्न शैलियों में देश के वि यात चित्रकारों से चित्र बनवाये जा रहे हैं, जिनका प्रदर्शन कला वीथिका में किया जाएगा। एकात्मता की मूर्ति के नीचे मु य भवन में विशाल शंकर स्त भ होगा। शंकर स्त भ 45 फीट ऊँचा और इसका व्यास लगभग 100 फीट होगा। शंकर स्तंभ पर आदि शंकराचार्य के जीवन की 32 घटनाओं को प्रदर्शित किया जायेगा।

अन्नपूर्णा भोजनालय

अन्नपूर्णा भोजनालय, संग्रहालय के पूर्व में स्थित होगा, जिसमें 300 से 500 लोगों की बैठक व्यवस्था भवन के भीतर तथा 700-1000 लोगों के लिए बैठक व्यवस्था बाहर होगी। बैठक व्यवस्था पार परिक एवं आधुनिक दोनों शैली में होगी। अन्नपूर्णा में पधारने वाले सभी आगंतुकों के लिए विशेष व्यंजन ÷अद्वैतभोग÷ की भी व्यवस्था होगी जो सभी के लिये उचित दाम पर उपलब्ध होगा। मध्यप्रदेश के मु य व्यंजनों के साथ भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विशेष व्यंजन भी उपलब्ध होंगे।

अद्वैत कलाग्राम और पंचायतन मन्दिर

मध्यप्रदेश एवं भारतवर्ष की समस्त लोक एवं क्षेत्रीय शिल्पों के प्रदर्शन और विक्रय के लिए अद्वैत कलाग्राम विकसित किया जा रहा है। कलाग्राम में दुकानों की वास्तुशैली पार परिक मन्दिर वास्तुशिल्प आधारित होगी। परिसर के बीच खुले स्थान पर कलाकारों द्वारा शिल्प कलाओं का लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया जाएगा। आचार्य शंकर द्वारा पुनर्स्थापित पंचायतन पूजा पद्धति पर पंचायतन मन्दिर का निर्माण हो रहा है। मंदिर का निर्माण नागर शैली पर स पूर्णतः पत्थर से किया जाएगा। यहाँ पर नित्य पूजा अभिषेक होंगे तथा भक्त भी पूजा अभिषेक कर पायेंगे। बच्चों के विद्यार भ, उपनयन इत्यादि संस्कार के लिये व्यवस्था होगी।

ग्रामवार-वार्डवार पंजीयन केन्द्रों में होगा गैस कने शनधारी बहनों का पंजीचन

सिवनी यशोः- जिला आपूर्ति अधिकारी सिवनी द्वारा जानकारी दी देते हुए बताया शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (ꠈꠉ) के समस्त एलपीजी गैस कने शनधारी उपभोक्ताओं और गैर ꠈꠉ श्रेणी में ꠈꠉ में पंजीकृत ऐसी लाडली बहने जिनके स्वयं के नाम से घरेलू गैस कने शन (14.2 किलो ग्राम) हैं, इन उपभोक्ताओं के गैस सिलेंडर 450/- रूपये (चार सौ पचास मात्र) में रिफिल होंगे। इस हेतु मु यमंत्री लाड़ली बहना योजना के पोर्टल पर पूर्व से गैस कने शन धारी लाड़ली बहनों का पंजीयन उन सभी केन्द्रों पर किया जा रहा है जहाँ कि लाड़ली बहना योजना का पंजीयन कार्य हुआ था।

आवेदन पत्र एवं पंजीयन की कार्यवाही पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। ग्राम पंचायत एवं वार्ड कार्यालयों के सभी पंजीयन केन्द्रों पंजीयन के संबंध में सूचना उपलब्ध है। लाड़ली बहनों को पंजीयन के संबंध में जानकारी उपलब्ध करानें एवं समस्याओं के निराकरण हेतु जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष का क्रियांवयन भी किया जा रहा है।

मु यमंत्री कृषक मित्र योजना तत्काल आरंभ होगी - मु यमंत्री चौहान

***किसानों ने बनाया मध्यप्रदेश को कृषि में अव्वल**

***मप्र के शरबती गेहूं, चिन्नोर चावल को मिली ग्लोबल पहचान**

***मु यमंत्री श्री चौहान ने हरदा की श्रीमती नमिता रनवे का फार्म भराकर पंजीयन की शुरूआत की**

***नमिता बनी पहली हितग्राही**

***3 एचपी या अधिक क्षमता के स्थाई पंप कने शन के लिए होगा 11के.वी. लाइन का विस्तार**

भोपाल । मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को स्थाई कृषि पंप कने शन देने के लिए मु यमंत्री कृषक मित्र योजना में हितग्राहियों से फार्म भरवाने के कार्य का शुभारंभ किया। मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजना में 3 एचपी या अधिक क्षमता के स्थाई पंप कने शन के लिए 200 मीटर तक की दूरी की 11के.वी. लाइन के विस्तार, वितरण ट्रांसफार्मर की स्थापना और नि न दाब लाइन केबल विस्तार कार्य शामिल हैं।

योजना में समस्त सामग्री सहित विस्तार कार्य और इसका संधारण विद्युत वितरण कंपनी द्वारा किया जाएगा। इस कार्य का 50 प्रतिशत व्यय शासन द्वारा और 50 प्रतिशत कृषक या कृषक समूह द्वारा वहन किया जाएगा।

कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में हुए राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मु यमंत्री श्री चौहान ने हरदा जिले के ग्राम जिनवानिया की श्रीमती नमिता रनवे और भैंरूदा सीहोर के श्री प्रेमनारायण पंवार के आवेदन भरवाकर योजना में नामांकन की प्रक्रिया आरंभ की। मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजना का क्रियान्वयन तत्काल आरंभ किया जा रहा है।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल तथा ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्यु न सिंह तोमर उपस्थित थे। प्रदेश के सभी जिले कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े। अतिथिगणों को तुलसी का पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया गया।

मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसान हमारे अन्नदाता के साथ-साथ हमारे प्राणदाता भी हैं। वे यदि खेतों में ना खपें तो हमारा जीवन दो-चार दिन भी नहीं चल पायेगा। किसानों की मेहनत, त्याग और तपस्या ने ही मध्य प्रदेश को कृषि क्षेत्र में देश में अव्वल बनाया है। हमारे शरबती गेहूं, चिन्नोर चावल को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। प्रदेश में 2002-03 में खाद्यान्न उत्पादन 159 लाख मैट्रिक टन था, जो अब बढ़कर 619 लाख मैट्रिक टन हो गया है।

सरकार ने किसानों के लिए 0त्र ब्याज पर ऋष्ठा के साथ-साथ पर्याप्त बिजली और सिंचाई की व्यवस्था की है। हर किसान को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना हमारा संकल्प है। केन बेतवा लिंक परियोजना को स्वीकृति प्राप्त हो गई है, इससे प्रदेश में सिंचाई का रकबा और बढ़ेगा। मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार किसान कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वर्षा से यदि कहीं नुकसान हुआ है तो किसान चिंता ना करें, उन्हें सर्वे करा कर सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे किसानों को नई सौगातों के संबंध में जल्दी मिलेंगे। किसान के सुख-दुःख की चिंता करना हमारा धर्म है। मैं शीघ्र ही पुनः किसानों से मिलने वाला हूँ, उनके खातों में मु यमंत्री किसान निधि से दो-दो हजार रुपये जारी करना हैं, बीमा की राशि जारी करनी है, इसके साथ ही किसानों और भी सौगातें देना है। प्रदेश में पर्याप्त वर्षा हुई है, पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध है, विद्युत आपूर्ति भी आवश्यकतानुसार हो रही है। अतः चिंता की कोई बात नहीं है। अन्नदाता सुखी रहेगा और सरकार किसानों की सेवा करती रहेगी।

हर खेत को पानी देंगे

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एक जमाना था जब केवल तीन से चार घंटे बिजली मिलती थी। एक जमाना था जब फसलें खेत में सूखतीं थीं। प्रदेश में बिजली का कुल उत्पादन मात्र 2900 मेगावाट था। आज प्रदेश में 29 हजार मेगावाट से अधिक बिजली का उत्पादन हो रहा है। सिंचाई क्षमता 7 लाख हे टेयर से बढ़कर 47 लाख हे टेयर हो चुकी है, 65 लाख हे टेयर से अधिक क्षेत्र को संचित करना हमारा लक्ष्य है। हम अपने संकल्प के अनुरूप हर खेत को पानी देंगे।

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कुछ दिन पहले वर्षा न होने के कारण चिंता की स्थिति बनी थीं, पानी की कमी के कारण खेत में दरारें पड़ गई थी, बिजली की मांग अप्रत्याशित रूप से बढ़ रही थी। ऐसा लग रहा था मानों हम अकाल की तरफ बढ़ रहे हैं। इस परिस्थिति में मैंने बाबा महाकाल से प्रार्थना की, आप सब भी इस प्रार्थना में शामिल रहे। भगवान की कृपा से हमारे तालाब, बांध आदि सब भरें हैं, अब कोई चिंता नहीं है। यह सत्य है कि ÷धर्मात्मा सरकार चलाते हैं तो परमात्मा भी प्रसन्न होते हैं÷

वरदान सिद्ध होगी मु यमंत्री कृषक मित्र योजना - मंत्री श्री तोमर

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्यु न सिंह तोमर ने कहा कि मु यमंत्री कृषक मित्र योजना किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी। किसान भाई योजना का लाभ लें और कृषि उत्पादन बढ़ायें। मंत्री श्री तोमर ने योजना के क्रियान्वयन के लिए मु यमंत्री श्री चौहान का आभार माना।

ट्राईसिकल पाकर अब लक्ष्मी चौधरी की समस्या दूर हुई

मंडला यशोः-जिले के नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कर जरूरतमंदों को तत्काल सहायता प्रदान की जाती है। दिव्यांग लक्ष्मी चौधरी निवासी सीताराम वार्ड नगरपालिका मंडला ने जनसुनवाई में ट्राईसिकल के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया। कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने आवेदन पत्र की समीक्षा कर सामाजिक न्याय विभाग द्वारा लक्ष्मी चौधरी को तत्काल ट्राईसिकल प्रदान की।

जनसुनवाई में ट्राईसिकल पाकर लक्ष्मी चौधरी बहुत प्रसन्न हुई। उसने बताया कि वह पैरों से दिव्यांग है, उसे चलने-फिरने या कहीं आने-जाने में बहुत परेशानी होती थी। उसके पास ट्राईसिकल नहीं होने के कारण वह कहीं आ-जा नहीं सकती थी, इससे वह बहुत परेशान रहती थी। उसने बताया कि उसे सूचना मिली कि जनसुनवाई में आवेदकों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण और हितलाभ का वितरण किया जाता है। यह सुनकर वह भी अपना आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंची, जिससे उसे भी एक ट्राईसिकल मिल सके। उन्होंने जनसुनवाई में कले टर को बताया कि पैरों की दिव्यांगता के कारण वह कहीं आने-जाने और चलने-फिरने में असमर्थ है। कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने उसकी समस्याओं को सुना और तत्काल ट्राईसिकल प्रदान करते हुए उसकी समस्याओं का निराकरण किया। जनसुनवाई में लक्ष्मी चौधरी ट्राईसिकल पाकर बहुत प्रसन्न हुई और जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने जनसुनवाई में 67 आवेदन की सुनवाई की

मंडला यशोः- कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने मंगलवार को कले ट्रेट के जिला योजना भवन में आयोजित जनसुनवाई में 67 आवेदनों की सुनवाई की। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की मांगों और समस्याओं का निराकरण किया गया। उन्होंने जनसुनवाई में पहुंचे दिव्यांग लक्ष्मी चौधरी और सुंदरलाल धुर्वे की समस्याओं का निराकरण कर उन्हें ट्राईसिकल प्रदान किया। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की सूक्ष्मता से समीक्षा कर तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उसके लिए आवेदकों को समय-सीमा दी गई है। विभागीय अधिकारियों को जनसुनवाई के आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण कर आवेदकों को अवगत कराना होगा। मंगलवार को जनसुनवाई में जिला पंचायत के मु य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट, संयुक्त कले टर सीएल वर्मा, संयुक्त कले टर हुनेन्द्र घोरमारे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने जनसुनवाई में सभी नागरिकों की समस्याओं को सुनते हुए उनके निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। विभागीय अधिकारियों को जनसुनवाई के आवेदनों का निर्धारित समयावधि में निराकरण कर अवगत कराना होगा। जनसुनवाई में नागरिकों के द्वारा विभिन्न प्रकार के आवेदन प्रस्तुत किए जा रहे हैं। जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, संबल योजना, मजदूरी भुगतान, तेंदूपत्ता बोनस, अतिक्रमण हटाने, पेयजल समस्या, चिकित्सा सुविधा, विद्युत समस्याओं का निराकरण, ई-ट्राईसिकल, सीमांकन आदि विषयों से संबंधित आवेदन प्रमुख हैं।

पोस्टल बैलेट संबंधी प्रशिक्षण 21 सितंबर को प्रातः 10:30 बजे से होगा

मंडला यशोः- प्रभारी अधिकारी निर्वाचन मंडला ने बताया कि आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 में पोस्टल बैलेट के संबंध में 21 सितंबर 2023 को रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय मंडला में प्रातः 10:30 बजे से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूर्व में उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के समय में परिवर्तन कर दिया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी नोडल अधिकारी प्रातः 10:30 बजे अपनी टीम के साथ उपस्थित रहना सुनिश्चित करेंगे।

उपार्जन के लिए 47 पंजीयन केन्द्र स्थापित

मंडला यशोः- जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर किसानों को उनकी उपज धान, ज्वार एवं बाजरा का उपार्जन किया जाना है। जिले में किसानों के लिए सहकारी संस्थाओं के माध्यम से 47 पंजीयन केन्द्र स्थापित किये गए हैं। धान विक्रय करने वाले किसानों को ऑनलाईन पंजीयन कराना होगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन फसल विक्रय करने हेतु धान पंजीयन 20 सित बर 2023 से 5 अे टूबर 2023 तक कराया जायेगा। किसानों को निःशुल्क धान तथा मोटे अनाजों के पंजीयन कराने के लिए किसानों को अपने आधार कार्ड, बोये गए अनाज के रकबे की जानकारी के लिए ऋष्ठा पुस्तिका की प्रति, आधार लिंक बैंक खाता, मोबाइल न बर, आईएफएससी कोड की जानकारी अपने समीपस्थ सहकारी संस्थाएं ले पस मुनु, ले पस दानीटोला, ले पस रामनगर, ले पस खलौड़ी, ले पस मण्डला, ले पस मण्डला (सेमरखापा), ले पस चिरईडोंगरी माल, ले पस नारायणगंज, ले पस निवास, ले पस नैनपुर, ले पस नैनपुर (रैवाड़ा), ले पस जामगांव, ले पस जामगांव (चीचगांव), ले पस पिण्डरई, ले पस पिण्डरई (खिरखिरी), ले पस ब हनी.1, ले पस ब हनी (ब हनी-2), ले पस चिरईडोंगरी रेल्वे, ले पस परसवाड़ा (डिठौरी), ले पस बिछिया रैयत, ले पस अंजनिया, ले पस ककैया, ले पस ककैया (सिलगी) ले पस मोहगांव, विपणन मण्डला, विपणन मण्डला (जहरमऊ) विपणन नैनपुर, विपणन बिछिया रैयत, विपणन बिछिया (औरई), ले पस बकोरी, ले पस टाटरी मा., ले पस लिंगापोड़ी, ले पस मलारा-1, ले पस मलारा (मलारा-2), ले पस सिझौरा, ले पस घुटास, ले पस घुटास (घुघरी), ले पस बीजाडांडी, ले पस चाबी, ले पस दाढ़ी भानपुर रैयत, ले पस केहरपुर, ले पस केहरपुर (पदमी) ले पस मवई, ले पस हिरदेनगर, ले पस हिरदेनगर (घुघरा) विपणन नारायणगंज (बबलिया), विपणन नारायणगंज (सिंगारपुर) में एवं किसान ऐप्प से पंजीयन करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त कृषक एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर, लोक सेवा केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे में 50 रुपए का शुल्क तथा आवश्यक दस्तावेज देकर 20 सित बर से 5 अे टूबर तक धान पंजीयन करा सकते हैं।

आरओ, एआरओ तथा से टर अधिकारियों की बैठक संपन्न

मंडला यशोः- कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने रिटर्निंग ऑफीसर, सहायक रिटर्निंग ऑफीसर और से टर अधिकारियों की बैठक में मतदाता सूची के द्वितीय संक्षिप्त पुनरीक्षण तथा मतदान केन्द्रों की तैयारियों के संबंध में विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने रिटर्निंग ऑफीसर्स को निर्देशित किया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान प्राप्त आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा पर करें। कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में संयुक्त कले टर अरविंद कुमार सिंह, सीएल वर्मा, हुनेन्द्र घोरमारे सहित संबंधित उपस्थित रहे।

कले टर ने 20 से 30 सितंबर के मध्य चलने वाले मतदाता सत्यापन अभियान के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित रिटर्निंग ऑफीसर, सहायक रिटर्निंग ऑफीसर तथा से टर अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की मॉनिटरिंग करें। मतदाता सूची का वाचन करते हुए उसे त्रुटिरहित बनाना सुनिश्चित करें। मृत, स्थानांतरित, दोहरी प्रविष्टि पर विशेष ध्यान दें। अधिक मतदाता वाले परिवारों का सत्यापन करें। कले टर ने निर्देशित किया कि सभी से टर अधिकारी आवंटित क्षेत्र के शतप्रतिशत मतदान केन्द्रों का भ्रमण करें, स्थानीय लोगों को मतदान केन्द्र के संबंध में जानकारी प्रदान करें। बैठक में कले टर ने प्रशिक्षण तथा वाहनों की उपलब्धता के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए।

सुंदरलाल धुर्वे ने ट्राईसिकल मिलने पर प्रसन्नता जाहिर की

मंडला यशोः- कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने मंगलवार को जनसुनवाई में ग्राम बड़ीखैरी निवासी दिव्यांग सुंदरलाल धुर्वे को ट्राईसिकल प्रदान किया। जनसुनवाई में ट्राईसिकल पाकर दिव्यांग सुंदरलाल धुर्वे बहुत प्रसन्न हुआ। उसने बताया कि ट्राईसिकल नहीं होने के कारण उसे घूमने-फिरने में बहुत परेशानी होती थी। ट्राईसिकल नहीं होने के कारण वह कहीं आ-जा नहीं सकता था, इससे वह बहुत परेशान था। उसने ट्राईसिकल के लिए ग्राम पंचायत में आवेदन दिया, लेकिन किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हुई। उसने बताया कि उसे गांव के युवाओं के द्वारा सूचना मिली कि कले ट्रेट कार्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। जनसुनवाई में जिले के नागरिकों की विभिन्न प्रकार की मांगों और समस्याओं का निराकरण किया जाता है। इसलिए वह मंगलवार को जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं से कले टर को अवगत कराया। कले टर ने उसकी समस्याओं को सुनकर उसे तुरंत एक ट्राईसिकल प्रदान की। सुंदरलाल धुर्वे ट्राईसिकल पाकर बहुत प्रसन्न हुआ। ट्राईसिकल ने दिव्यांग सुंदर लाल धुर्वे के घूमने-फिरने की समस्याओं का निराकरण कर दिया है। कले टर से मंगलवार को वह ट्राईसिकल पाकर बहुत प्रसन्न हुआ। सुंदरलाल धुर्वे ने ट्राईसिकल पाकर जनसुनवाई कार्यक्रम की प्रशंसा की।

मु यमंत्री जन सेवा मित्रों ने चौपाल में दी योजनाओं की जानकारी

मोहगांव यशोः- ग्राम पंचायत नाहरवेली में महिला चौपाल का कार्यक्रम आयोजित किया और महिलाओं को कई प्रकार की योजनाएं जैसे लाडली बहना योजना लाड़ली लक्ष्मी योजना, किसान कल्याण, संबल, वृद्धा पेंशन एवम आयुष्मान कार्ड के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं ने योजनाओं के से जीवन में ` या बदलाव आया है उनका जिक्र भी किया। इस कार्यक्रम में म सीएम फेलो मेम सुप्रिया पाठक भी उपस्थित रहीं। साथ ही मु यमंत्री जन सेवा मित्रों ब्र हा ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, आकाश कुमार, सागर यादव , मेघराज झारियां, नर्मदा, आदित्य लखेरा, सुरेंद्र चक्रवर्ती , निधी पटेल, आरती पदम, सरला चीचाम, देवी लाल यादव, सुरेंद्र नंदा, मुकेश, शिवानी, रवि, नेहा यादव की सहभागिता रही।

कार्यकर्ता महाकुंभ को लेकर भाजपा की बैठक संपन्न

मण्डला यशोः- भारतीय जनता पार्टी जिला मण्डला की जिला बैठक भाजपा कार्यालय में आयोजित हुई, इस बैठक में 25 सितंबर को भोपाल में आयोजित होने वाले कार्यकर्ता महाकुंभ की तैयारियों पर चर्चा हुई, बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री भीष्म द्विवेदी ने बताया कि 25 सितंबर को भोपाल में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी प्रदेश के 10 लाख कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। यह आयोजन जंबूरी मैदान भोपाल में होगा। इस कार्यक्रम में बूथ समिति तक के कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है मण्डला जिले से भी लगभग 8 हजार कार्यकर्ता, कार्यकर्ता महाकुंभ में शामिल होंगे। जिला बैठक में आयोजन की तैयारियों के संबंध में आवश्यक चर्चाएं हुई बैठक में विधायक श्री देवसिंह सैयाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, पूर्व सांसद श्रीमति संपतिया उइके, पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते, कार्यक्रम जिला प्रभारी श्री भगवती श्रीधर , उमेश ठाकुर, सहित जिला पदाधिकारी मण्डल अध्यक्ष, मोर्चा जिलाध्यक्ष, प्रकोष्ठ जिला संयोजक, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उज्जैन में राज्य-स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम अब 22 को

मु यमंत्री चौहान के मु य आतिथ्य में होगा कार्यक्रम

भोपाल । मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मु य आतिथ्य में राज्य-स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम उज्जैन में 22 सितंबर शुक्रवार को होगा। पहले यह 20 सितंबर को निर्धारित था।

उल्लेखनीय है कि मु यमंत्री इस कार्यक्रम में विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं के 3 लाख से अधिक युवाओं को 2300 करोड़ रुपये से अधिक का ऋष्ठा वितरण कर स्व-रोजगार से जोड़ेंगे। मु यमंत्री श्री चौहान विभिन्न जिलों की 1708 एमएसएमई इकाइयों और 10 करोड़ से 50 करोड़ की निवेश वाली 43 इकाइयों का लोकार्पण भी करेंगे। मु यमंत्री द्वारा 307 एमएसएमई इकाइयों, 17` लस्टर एवं 26 विभागीय औद्योगिक क्षेत्रों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी किया जाएगा। इन परियोजनाओं से 71 हजार से अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त होगा।

कार्यालय सहकारी प्रक्रिया एवं विपणन समिति मर्यादित बरघाट

पंजीयन क्रमांक 821

क्रमांक/लेखा/2023-24/18 **बरघाट दिनांक- 11/09/2023**

-::वार्षिक साधारण स मिलन की सूचना::-

000

सहकारी प्रक्रिया एवं विपणन समिति मर्यादित बरघाट के समस्त सदस्य समितियों के प्रतिनिधियों एवं प्रत्यायुक्तो को सूचित किया जाता है कि सहकारी प्रक्रिया एवं विपणन समिति मर्यादित बरघाट की वार्षिक साधारण आमसभा दिनांक 26/09/2023 दिन मंगलवार समय 01 बजे दोपहर समिति मु यालय बरघाट जिला सिवनी में आयोजित की गई है। वार्षिक साधारण स मिलन में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। जिसमें निम्न विषयों पर निर्णय लिये जावेंगे। कोरम के अभाव में बैठक आधे घंटे के लिए स्थगित की जाकर पुनः इसी स्थान पर प्रारंभ होगी जिसमें कोरम की आवश्यकता नही होगी।

-::विषय सूची::-

बिन्दु क्रमांक (01) वर्ष 2022-23 एवं मासांत अगस्त 2023 तक के आय व्यय पत्रक एवं संचालक मंडल/प्रशासक की बैठको में लिये गये निर्णयों का अनुमोदन करने बावद् विचार।

बिन्दु क्रमांक (02) समिति द्वारा आगामी वर्ष 2024-25 का अनुमानित बजट एवं कार्य योजना तैयार कर अनुमोदन करने बावद् विचार।

बिन्दु क्रमांक (03) वर्ष 2022-23 की संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई हो तो वार्षिक रिपोर्ट पर विचार

बिन्दु क्रमोक (04) वित्तीय वर्ष 2023-24 के लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक/संपरीक्षक फर्म की नियुक्ति बावद् विचार।

प्रभारी प्रबंधक
सहकारी प्रक्रिया एवं विपणन समिति
मर्यादित बरघाट

5 अे टूबर तक सहकारी समितियों, खरीदी केन्द्रों तथा एमपी ऑनलाईन कियोस्क सेंटर में ऑनलाईन होगा रजिस्ट्रेशन

मंडला यशोः- जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर किसानों को उनकी उपज धान, ज्वार एवं बाजरा का उपार्जन किया जाना है। धान उपार्जन हेतु मण्डला जिले में किसानों का ऑनलाइन पंजीयन किया जाएगा। ऑनलाइन पंजीयन 20 सित बर से प्रारंभ होगा और पंजीयन 5 अे टूबर तक किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि किसान भाई आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों एवं खरीदी केन्द्रों में निःशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। एमपी किसान ऐप व अपने मोबाइल पर डाउनलोड करके किसान स्वयं पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा किसान एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे में 50 रुपए का शुल्क तथा आवश्यक दस्तावेज देकर 20 सित बर से उपार्जन हेतु पंजीयन करा सकते हैं। धान तथा मोटे अनाजों के पंजीयन कराने के लिए किसानों को अपने आधार कार्ड, बोये गए अनाज के रकबे की जानकारी के लिए ऋष्ठा पुस्तिका की प्रति, आधार लिंक बैंक खाता, मोबाइल न बर, आईएफएससी कोड की जानकारी देना आवश्यक होगा। पंजीयन कराने और फसल बेचने के लिए आधार न बर का वेरीफिकेशन कराना अनिवार्य है। वेरीफिकेशन आधार न बर से लिंक मोबाईल नं. पर प्राप्त ओटीपी से या बायोमेट्रिक डिवाइस से किया जायेगा। किसानों का पंजीयन फसल गिरदावरी के आधार पर किया जाएगा। किसान द्वारा दर्ज कराया गया नाम आधार से भिन्न है तो किसान को आधार केन्द्र, पोस्ट ऑफिस जाकर आधार में नाम संशोधित कराना होगा। किसान द्वारा दर्ज कराया गया नाम भू-अभिलेख से भिन्न है तो किसान को राजस्व अधिकारी से संपर्क कर भू-अभिलेख में नाम संशोधित कराना होगा। सत्यापन होने की स्थिति में ही उक्त पंजीयन मान्य होगा। यदि किसान की भूमि एक ही जिले के अन्य ग्रामों में है तो पंजीयन में दूसरे ग्राम की फसल के रकबे जोड़े जा सकेंगे। सिकमी, बटाईदार के पंजीयन हेतु 2023 के अनुबंध ही मान्य होंगे। किसान उपार्जन केन्द्र पर जाकर फसल बेचने के लिए अपने परिवार के किसी सदस्य (पिता, भाई, पति, पुत्र आदि) को नामित कर सकेंगे। नामित व्यक्ति का भी आधार वेरीफिकेशन कराया जायेगा। उपार्जन के भुगतान हेतु जनधन खाते, अक्रिय बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे।

मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन की तलाश हुई पूरी आमानाला में बनेगा मेडिकल कॉलेज

मंडला यशोः- जिले को मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने के बाद अब इसके लिए निर्माण स्थल का भी चयन कर लिया गया है। जिला मु यालय से महज 3 किमी दूर आमानाला में मेडिकल कॉलेज भवन के निर्माण के लिए सिद्धांतिक स्वीकृति मिल गया है। इसके बाद से अब यह उ मीद की जा रही है कि मेडिकल कॉलेज के निर्माण में किसी तरह की रूकावट नहीं आएगी। गौरतलब है कि वर्ष 2019 में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंडला सहित 5 जिलों में मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दे दी। बताया गया कि एक कॉलेज खोलने में लगभग 325 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके लिए 195 करोड़ (60 फीसदी) राशि केंद्र सरकार व 130 करोड़ राज्य सरकार देगी। जिला अस्पतालों से संबद्ध कर ये कॉलेज शुरू किए जाएंगे।

150 सीटर होगा कॉलेज

मेडिकल कॉलेज में न केवल स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी बल्कि यहां मेडिकल की पढ़ाने करने का मौका भी जिले के छात्र-छात्राओं को मिल सकेगा। जानकारी अनुसार मंडला के आमानाला में जो मेडिकल कॉलेज का निर्माण होगा, वह 150 सीटर होगा। जिसके लिए भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा भूमि आवंटन के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। मेडीकल कॉलेज के लिए भवन निर्माण के लिए नोडल संस्था शिक्षा चिकित्सा व विभाग तथा क्रियान्वयन एजेंसी बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन होगी।

दो साल से तलाश रहे थे जमीन

जानकारों का कहना है कि जिस समय मंडला में मेडिकल कॉलेज का प्रस्ताव भेजा गया था, उसी समय मंडला में मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए जरूरी नियमानुसार भूमि को भी फाईनल कर लिया जाता तो संभव है कि स्वीकृति के बाद जमीन की तलाश में इतना समय नहीं लगता बता दें कि जिले में मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति 2019 में मिल गई थी जिसमें 60 प्रतिशत राशि केन्द्र और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा खर्च करने की बात कही गई थी। इस लिहाज से अब तक मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूरा हो जाना था लेकिन निर्माण तो दूर निर्माण के लिए जि मेदार अधिकारी जमीन तक निश्चित नहीं कर पाए अब जाकर आमानाला में मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए जमीन निर्धारित कर ली गई है।

मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाएं और शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ेंगे कदम

जिला मु यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण के बाद स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो सकेगा। वर्तमान में जिले में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह चरमरा चुकी है, अस्पतालों में डॉ टर नहीं है, पर्याप्त दवाओं का टोटा रहता है, शासन द्वारा लाखों-करोड़ों रूपये की मशीनें अस्पताल में लगा कर रखी गई हैं, लेकिन इन मशीनों को ऑपरेट करने वाले स्टॉफ की भर्ती नहीं की गई है। छोटी-छोटी बीमारियों की स्थिति में, किसी दुर्घटना में घायल को यहां अस्पताल में भर्ती कर इलाज करने की जगह उसे रेफर कर दिया जाता है। स्वयं मु यमंत्री ने कुछ माह पूर्व जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण में यहां दवाओं की कमी के साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं में कमी पाने पर सिविल सर्जन को निलंबित कर दिया था।

एक माह पूर्व अधिकारियों ने किया था निरीक्षण

करीब एक माह पूर्व उपवन महानिदेशक भारत सरकार अशोक कुमार सिन्हा ने मंडला में मेडिकल कॉलेज के लिए ग्राम आमानाला और ग्राम गोंझी में निरीक्षण किया था। उनकी रिपोर्ट के आधार पर ही सरकार द्वारा मेडिकल कॉलेज के लिए आमानाला में भूमि आवंटन का निर्णय लिया गया है। जानकारी अनुसार चूंकि गोंझी में निर्माण स्थल से एप्रोच रोड सड़क निर्माण की लागत बढ़ रही थी इसी के साथ मु यालय से काफी दूर होने के कारण गोंझी की जगह आमानाला में मेडिकल कॉलेज की सिद्धांतिक स्वीकृति मिली है। बता दें कि मंडला में मेडिकल कॉलेज भवन के निर्माण के लिए करीब 232.48 करोड़ रुपए के टेंडर जारी किए गए हैं मई 2023 में टेंडर प्रक्रिया पूर्ण भी हो चुकी है।

मु यमंत्री ने दिया नाम

कुछ दिनों पहले गृहमंत्री अमित शाह के मंडला आगमन पर मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि मंडला में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का नाम राजा हृदय शाह मेडिकल कॉलेज होगा। उन्होंने कहा कि जमीन को लेकर कुछ अड़चन थी जिसे दूर कर लिया गया है, जल्द ही मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन करने यहां आएंगे। इसके बाद से मेडिकल निर्माण की प्रक्रिया तेज होने की उ मीद लगाई जा रही थी।

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati. com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बीझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297